अमेरिका- रूस अलास्का शिखर सम्मेलन

स्रोत: IE

अमेरिका- रूस अलास्का शिखर सम्मेलन बिना किसी अंतिम समझौते के समाप्त हो गया, जिससे **रूस-यूक्रेन** विवाद अनसुलझा रह गया। इसकी विफलता ने भारत के रूसी तेल आयात पर **शुल्कों को लेकर अमेरिका-भारत संबंधों** में संभावित चुनौतियों को उजागर कर दिया है।

- **अमेरिकी टैरिफ पर भारत की चिंताएँ:** अमेरिका ने **भारतीय निर्यात पर संयुक्त रूप से 50% टैरिफ लगाने की घोषणा** की है, जिसमें **मौजूदा 25% टैरिफ** और **अतिरिक्त 25% टैरिफ** शामिल है।
  - इससे **भारत के व्यापारिक संबंधों में भारी व्यवधान उत्पन्न** हो सकता है, अमेरिकी बाज़ार में भारतीय वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है तथा आर्थिक वार्ताएँ जटिल हो सकती हैं।
  - अमेरिका का लक्ष्य भारत जैसे आयातकों (जो अपने कच्चे तेल **का 35-40% रूस** से आयात करता है) पर दबाव डालकर **रूस के तेल राजस्व** में कटौती करना है। **अमेरिकी कॉन्ग्रेस में एक विधेयक में रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था में मदद करने वाले देशों पर 500%** तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है।
- **भारत की सामरिक स्वायत्तता:** भारत का लक्ष्य सामरिक स्वायत्तता बनाए रखना, **रूस और अमेरिका के साथ संबंधों** को संतुलित करना तथा अपने **व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा** विकल्पों को राष्ट्रीय हित से प्रेरित रखना है।
- **भू-राजनीतिक प्रभाव:** अमेरिका-रूस अलास्का शिखर सम्मेलन में शांति समझौते को अंतिम रूप देने में विफलता से **रूस-यूक्रेन संघर्ष** के आसपास **अनिश्चितता** बनी हुई है, वैश्विक कूटनीतिक प्रयास जटिल हो रहे हैं तथा सुरक्षा गारंटी, क्षेत्रीय रियायतें और **उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)** की भूमिका पर चिंताएँ बढ़ रही हैं।

और पढ़ें: **रूस-यूक्रेन संघर्ष**

भारतीय आयात पर अमेरिकी टैरिफ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/us-russia-alaska-summit